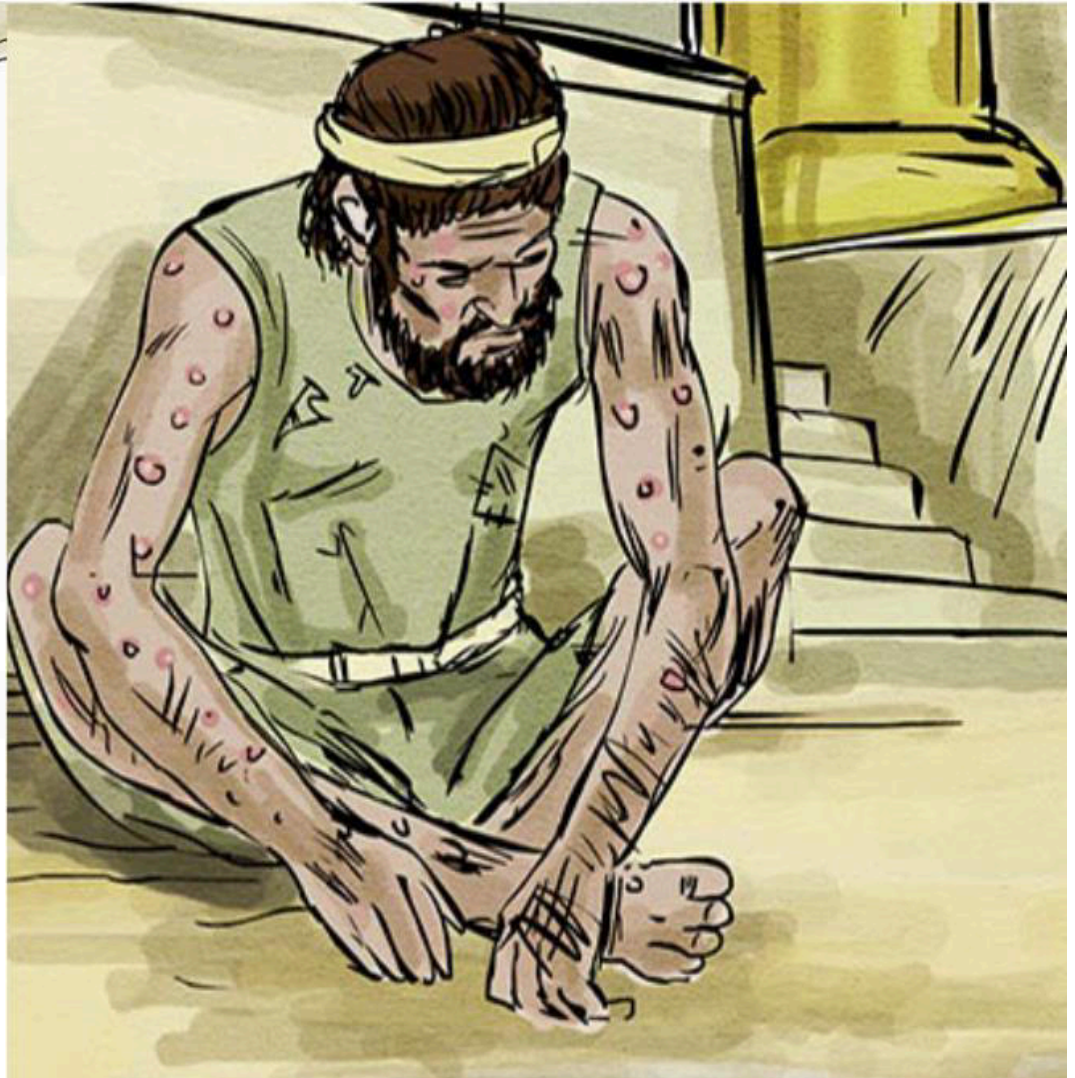
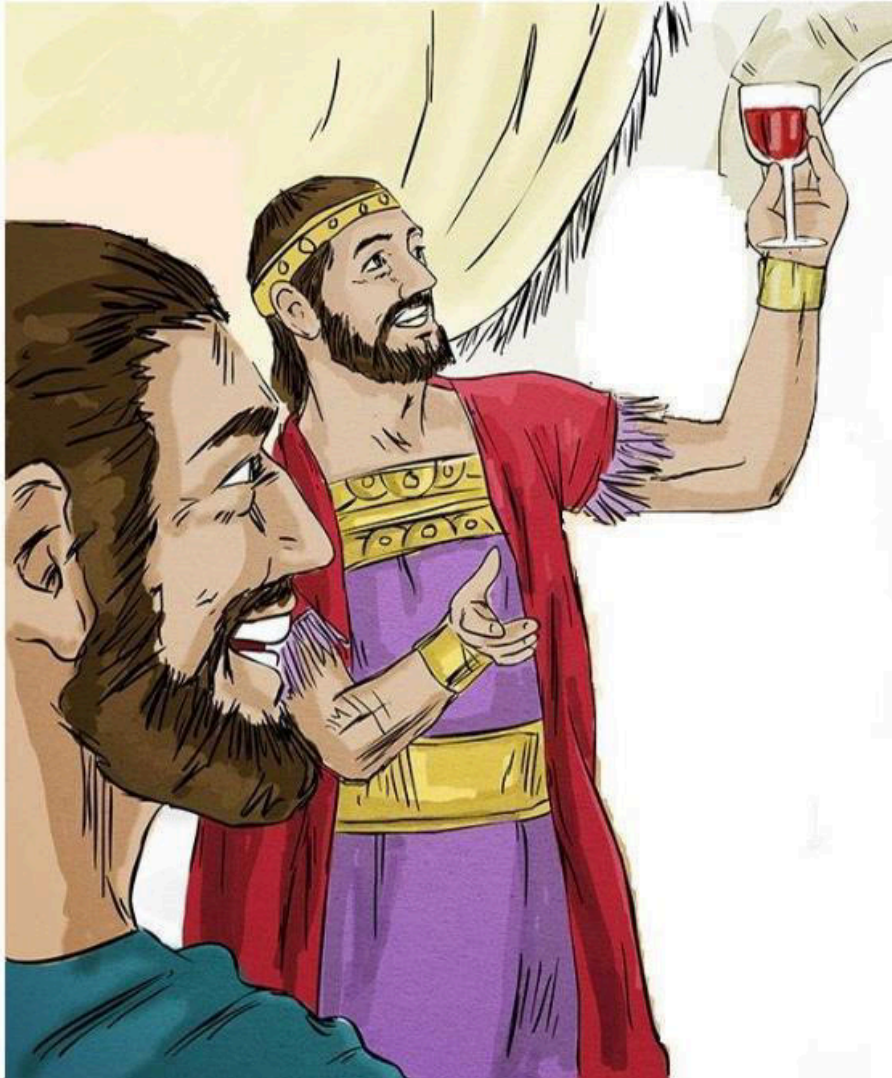


सेट माणूछ औज़ि गौरीब लाज़र



bangani

सेट माणूछ औज़ि गौरीब लाज़र

bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



Copyright © 2020, NLCI

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book
Red level book

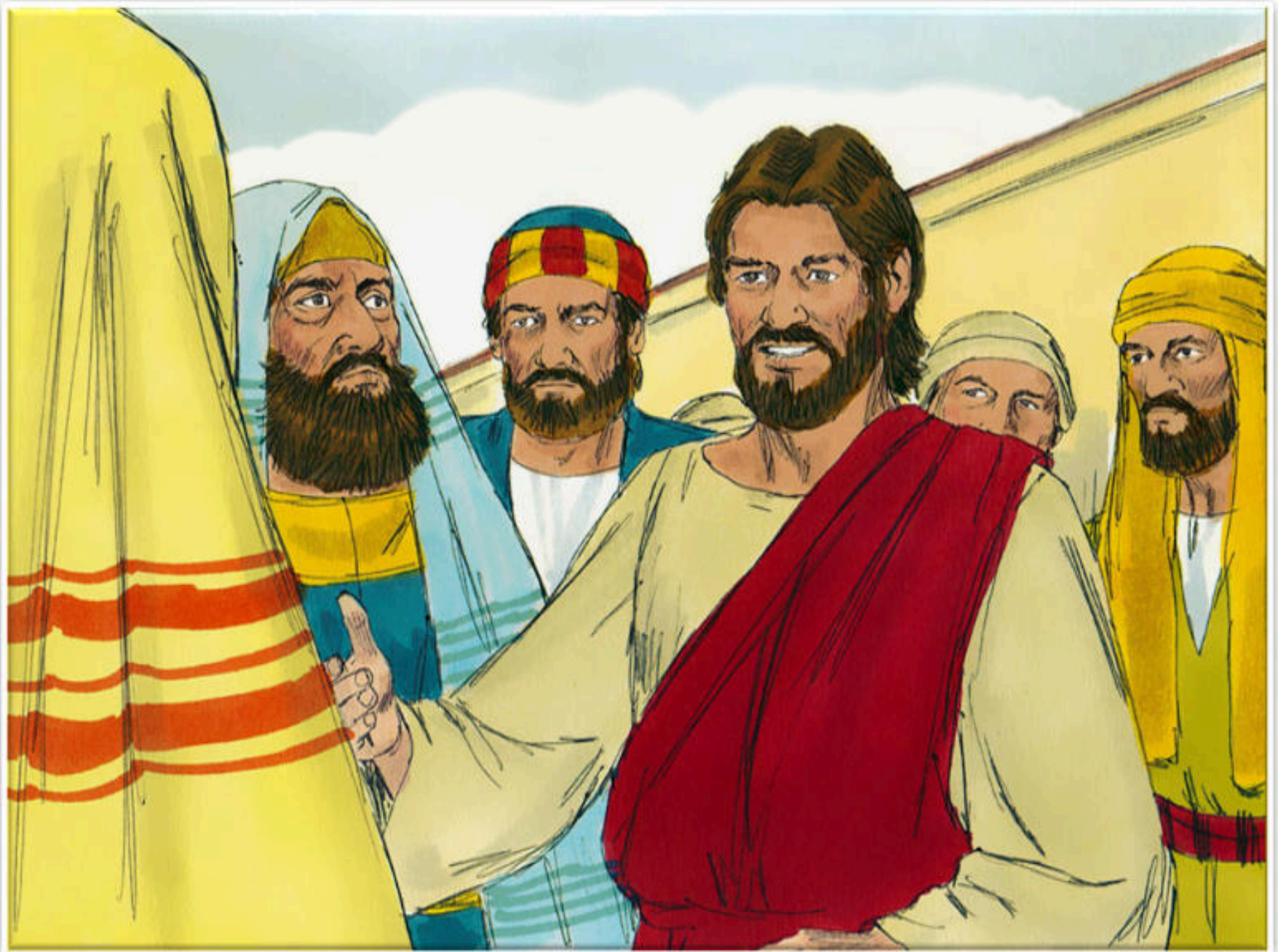
परकाशण:-

NLCI

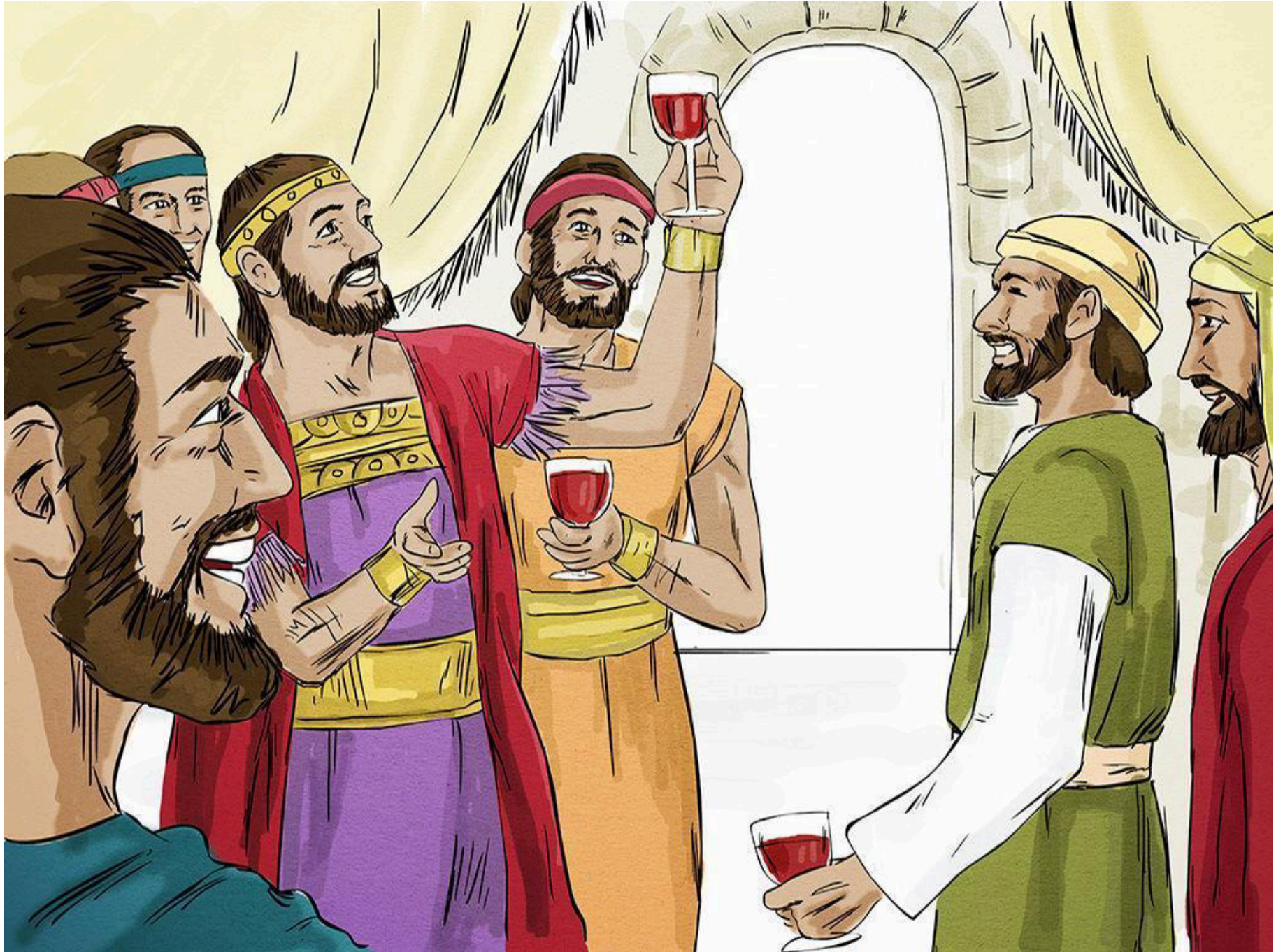
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें एक धनवान और एक गरीब लाजर, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



एक दूसर यीशु लोगु कौइ परमेश्वर रौ
बचन रौ थौ शुणान्दै लागी। तेत्कै कुछ
नियम कानुण शिकाणैं वाळै औज़ि
फरीसी, यीशु रि बुशै रौऐ थै शुण्डै
लागी। औज़ि तिउं यीशु रि बुशै रौ
मौज़ाक चाणौ



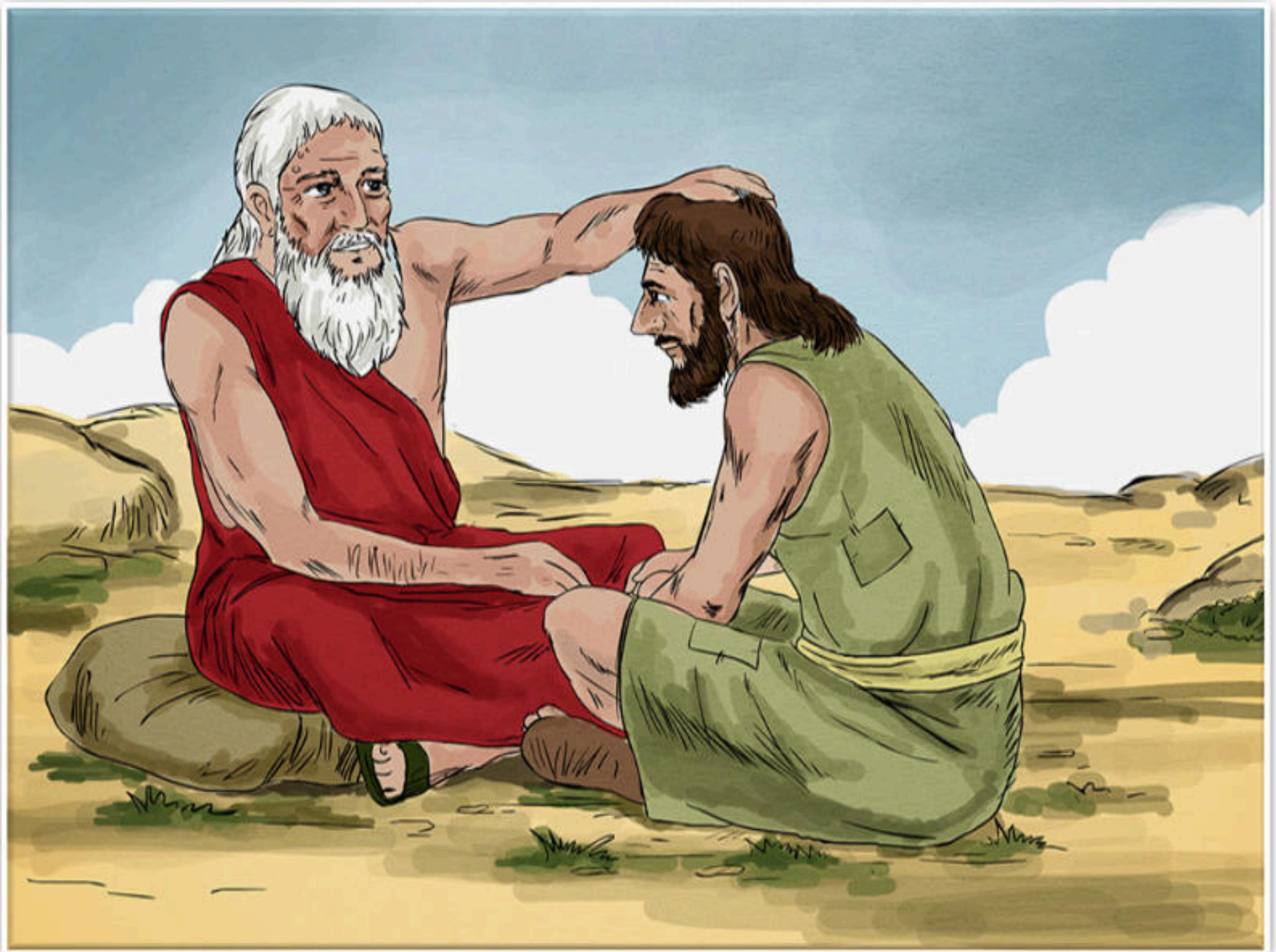
तैबै यीशुइ तिउंके एक कांऽणी
सौमज़ान्दु बैरै बोलौ। एक सेट थौ, सेउ
बौड़िया औज़ि मखमल रै जुडके बिड़ै
थौ। सेउ सेट तै बौड़ै ठाट कौइ आपड़ी
ज़िन्दगी ज़ियै थौ।



तेथिकै लाज़र नौऊँ रौ एक माणूछ थौ,
तेसरै शौरीर दि बौरी दुखणै थै बौणौन्दै ।
लाज़र गौरीब थौ, औज़ि लोग तेस सेट
रै गौरै रै दुवारै काइ छोड़ै थै । औज़ि
लाज़र के सेट रौ जूठौ खाणौ बि ना
मिलै थौ ।



औज़ि तेस गौरीब लाज़र रै दुखणौॐ
कुकूर चाटै थौ। एक दूस गौरीब लाज़र
पोरु मोरौ। स्वर्गदुतेइ लाज़र अब्राहम रि
ॐगाळी दि बोशाळौ।



तेतबासियै सेउ सेट बि पोरु मौरै, सेउ
नरक दि डैऔ। सेटेइ नरक कौइ स्वर्ग
खि देखौ। नरक कौइ सेटेइ लाज़र
अब्राहम रि ऊंगाळिदि देखौ।



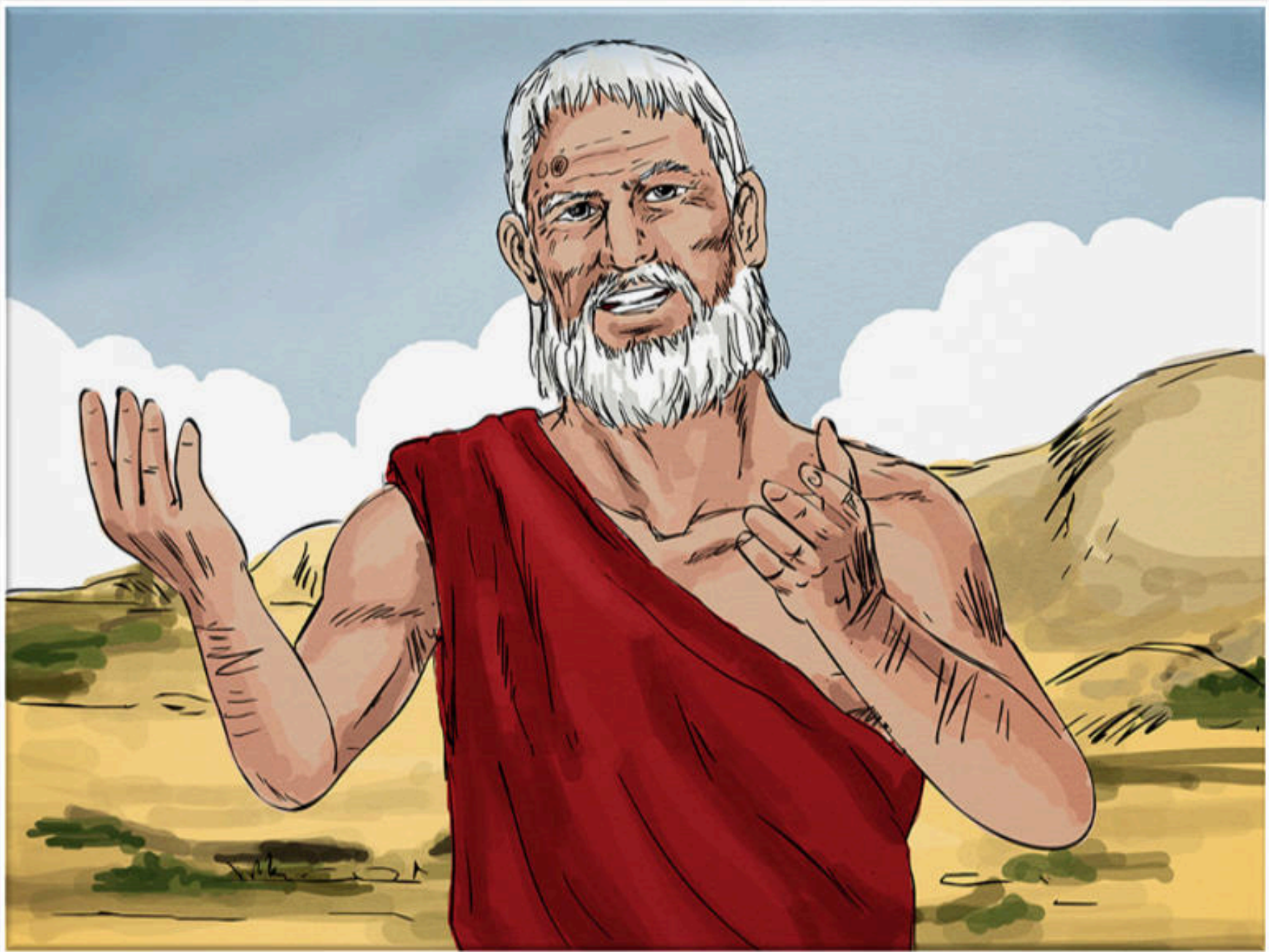
तैबै सेटेइ अब्राहम आरि बोलौ, कि
मुँदी दौया कौरियौ लाज़रेइ एत्कै छाड़।

कि सेउ आपड़ी औंठी पाणि माइं
रुज़ाइयौ मेरी ज़िबेइ शेळी कौरै लौ।

केलाकि आऊं एत्कै ईं आगी माइं
तौड़फुन्दै लागौन्दौ।



अब्राहमेइ सेट आरि बोलौ, तू आपड़ी
ज़िन्दगी दि सुख कौइ रौ। औज़ि लाज़र
कै पूरी ज़िन्दगी दि दुख इ दुख मिलौ।
पर ऐबै लाज़र एत्कै शान्ति कौइ रौऐ,
औज़ि तु तौड़फुन्दै लागौन्दौ।



अब्राहमेइ बोलौ कि आमारै औज़ि
तुमारै बिचे दि एक बौड़ी खाइ। एज़ी
बौज़ै कोइ एतकोइ ताउंकाइ आणौ बि
चाए लौ, तैबै बि सेउ ना आइ सौक्दौ।
औज़ि कोइ तेतकोइ एत्कै आणौ चाए
सेउ बि ना आइ सौक्दौ।



सेटेइ अब्राहम आरि जेकारी कौरी,
लाज़रेइ मेरै पापा रै गौरै छाड़। कि सेउ
तेत्कै डेइयौ मेरै पाँच बाइउं चोकश
कौरै लौ। केथिकै एशौ ना चाइं उइ कि
मेरै बाइ बि एथिकै आयै आगी माइं।



अब्राहमेइ सेट आरि बोलौ, तिउंकै मूसा
री किताबै। तिउं तीं किताबी कौइ
बचन शुणनै दै। तैबै सेटेइ बोलौ कि सै
तिउंरि केत्कै शुणैण। पर अब्राहमेइ
बोलौ, जौ सै मूसा रै नियम ना शुणैलै
तैबै सै एसरी बूशै बि ना मानै लै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.